नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

दोषरहित परीक्षा प्रणाली सबसे बड़ी जरूरत

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) में अनियमितताओं के आरोपों के बाद केंद्र सरकार द्वारा बोर्ड के अध्यक्ष और सचिव को हटाया जाना एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक कदम है. हालांकि, केवल अधिकारियों को बदल देने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा. आवश्यकता इस बात की है कि देश की पूरी परीक्षा व्यवस्था को इस प्रकार मजबूत बनाया जाए कि उसकी निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर कोई प्रश्नचिह्न न लग सके. क्योंकि परीक्षा प्रणाली केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि करोड़ों युवाओं के भविष्य का आधार है.

पिछले कुछ वर्षों में प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं ने देश की शिक्षा और भर्ती परीक्षाओं की साख को गंभीर रूप से प्रभावित किया है. बोर्ड परीक्षाओं से लेकर नीट, जेईई और विभिन्न सरकारी भर्ती परीक्षाओं तक, बार-बार सामने आए पेपर लीक मामलों ने विद्यार्थियों और अभिभावकों का भरोसा कमजोर किया है. लाखों छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं, लेकिन कुछ लोगों के लालच और व्यवस्था की कमजोरियों के कारण उनकी मेहनत पर पानी फिर जाता है. इससे प्रतिभाशाली और ईमानदार विद्यार्थियों में निराशा बढ़ती है तथा व्यवस्था के प्रति असंतोष पैदा होता है.

यह सच है कि सरकारों ने तकनीकी सुरक्षा बढ़ाने, निगरानी तंत्र मजबूत करने और कठोर कानून बनाने जैसे कई कदम उठाए हैं. इसके बावजूद यदि प्रश्नपत्र लीक की घटनाएं नहीं रुक रही हैं, तो इसका अर्थ है कि समस्या केवल तकनीकी नहीं, बल्कि संस्थागत और नैतिक भी है. सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि ऐसे गिरोह वर्षों तक सक्रिय कैसे बने रहते हैं और उन्हें व्यवस्था के भीतर से सहयोग कौन उपलब्ध कराता है. जब गोपनीयता की जिम्मेदारी संभालने वाले कुछ लोग ही अपने दायित्वों से समझौता कर लेते हैं, तब कोई भी सुरक्षा तंत्र पूरी तरह प्रभावी नहीं रह जाता. इस समस्या का सामाजिक पक्ष भी उतना ही गंभीर है. प्रश्नपत्र तभी बिकते हैं जब उन्हें खरीदने वाले मौजूद हों. कुछ अभिभावक और विद्यार्थी अनुचित लाभ पाने के लिए बड़ी रकम खर्च करने को तैयार हो जाते हैं. इसी प्रकार साल्वर गैंग और फर्जीवाड़े का कारोबार भी तभी फलता-फूलता है जब शिक्षित लोग अपनी योग्यता का दुरुपयोग आर्थिक लाभ के लिए करने लगते हैं. इसलिए पेपर लीक केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक नैतिकता से जुड़ा संकट भी है.

वास्तविक चिंता यह है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था ज्ञान और कौशल तो दे रही है, लेकिन चरित्र निर्माण पर अपेक्षित ध्यान नहीं दे पा रही. यदि शिक्षा का उद्देश्य केवल अंक, डिग्री और नौकरी तक सीमित रह जाएगा, तो ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे मूल्य कमजोर होते जाएंगे. शिक्षा का लक्ष्य सक्षम पेशेवरों के साथ-साथ नैतिक नागरिक तैयार करना भी होना चाहिए.

भारत विज्ञान, तकनीक, अंतरिक्ष अनुसंधान और डिजिटल नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहा है. भारतीय युवा विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं. लेकिन परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर आंच आती रही, तो इन उपलब्धियों का महत्व भी प्रभावित होगा. किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसकी संस्थाओं पर जनता के विश्वास से तय होती है. इसलिए समय की मांग है कि परीक्षा सुरक्षा को अत्याधुनिक बनाया जाए, दोषियों के विरुद्ध त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित हो तथा शिक्षा संस्थानों, परिवारों और समाज में नैतिक मूल्यों के पुनर्स्थापन का व्यापक अभियान चलाया जाए. परीक्षाओं की साख केवल कानूनों से नहीं, बल्कि ईमानदार व्यवस्था, जवाबदेही और मजबूत संस्कारों से लौटेगी. युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए दोषरहित परीक्षा प्रणाली आज देश की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल होनी चाहिए.

पीएम स्वनिधि योजना

वित्तीय समावेशन की परिवर्तनकारी यात्रा

मनोहर लाल

> यह योजना आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल के संकल्प को जमीनी स्तर पर साकार करती है. पीएम स्वनिधि की सफलता इस बात का प्रमाण है कि समावेशी विकास का लाभ जमीनी स्तर तक पहुँच रहा है. पीएम स्वनिधि योजना ने पथ विक्रेताओं के लिए वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा का एक प्रभावी मॉडल प्रस्तुत किया है. मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में यह योजना लाखों विक्रेताओं की आजीविका को सशक्त बनाते हुए नई परिवर्तनकारी कहानियाँ रचेगी तथा विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.

भारत में शहरीकरण तीव्र गति से बढ़ रहा है. अनुमान है कि वर्ष 2050 तक देश की लगभग 50 प्रतिशत आबादी शहरी क्षेत्रों में निवास करेगी. वर्तमान में शहरी कार्यबल का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़ा है, जो शहरी अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है. इस अनौपचारिक क्षेत्र में पथ विक्रेताओं की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय है. फल, सब्ज़ियाँ, चाय, नाश्ता, कपड़े तथा दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुएँ उपलब्ध कराने वाले ये लाखों विक्रेता न केवल करोड़ों नागरिकों के जीवन को सुगम बनाते हैं, बल्कि शहरी अर्थव्यवस्था को भी सशक्त करते हैं.

इसके बावजूद, लंबे समय तक उनकी औपचारिक बैंकिंग और ऋण तक पहुँच सीमित रही. क्रेडिट हिस्ट्री के अभाव में उन्हें अक्सर ऊँची ब्याज दरों पर अनौपचारिक ऋण लेना पड़ता था, जिससे उनकी आय का बड़ा हिस्सा ऋण चुकाने में खर्च हो जाता था. भारतीय पथ विक्रेता बदलती वैश्विक परिस्थितियों और विभिन्न आर्थिक व्यवधानों के बीच भी अपनी दृढ़ता और संघर्षशीलता के लिए जाने जाते हैं. पीएम स्वनिधि ने उनकी इस उद्यमशीलता को नई ऊर्जा प्रदान की है. यह केवल ऋण उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रही, बल्कि सम्मान, पहचान और नए अवसरों का एक सशक्त माध्यम बनी है.

योजना की सफलता का प्रमुख आधार व्होले ऑफ गवर्नमेंट एप्रोच रहा, जिसमें केंद्र, राज्य, शहरी स्थानीय निकायों और बैंकिंग संस्थानों के समन्वित प्रयासों ने इसे देशभर में अभूतपूर्व रूप से पहुँचाया तथा उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किये. इस योजना के अंतर्गत लाखों विक्रेताओं के बैंक खाते सक्रिय हुए, उनका वित्तीय व्यवहार दर्ज होने लगा और पहली बार उनके लिए एक औपचारिक क्रेडिट हिस्ट्री का निर्माण हुआ. इससे भविष्य में और अधिक ऋण तथा वित्तीय सेवाओं तक उनकी पहुँच आसान हुई और वे आज बैंक के सम्मानित ग्राहक और उद्यमी के रूप में उभरे हैं. इस योजना का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू डिजिटल सशक्तिकरण है. यूपीआई और क्यूआर-कोड आधारित भुगतान को बढ़ावा देने के लिए कैशबैक प्रोत्साहन की व्यवस्था की गई है. इस पहल ने अभी तक 55 लाख विक्रेताओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ा, उनके लेन-देन को पारदर्शी बनाया और उनकी वित्तीय साख को मजबूत किया है. योजना की सोच केवल व्यवसाय तक सीमित नहीं रही. 'स्वनिधि से समृद्धि' पहल के माध्यम से लाभार्थियों और उनके परिवारों को भारत सरकार की आठ प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा गया.

अब तक 50 लाख से अधिक पथ विक्रेता परिवारों की प्रोफाइलिंग की जा चुकी है तथा इन योजनाओं के अंतर्गत 1.52 करोड़ से अधिक लाभ स्वीकृत किए जा चुके हैं. पेंशन, बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा जैसी सुविधाओं तक पहुँच प्रदान कर यह पहल पथ विक्रेताओं और उनके परिवारों के लिए एक व्यापक सामाजिक सुरक्षा तंत्र का माध्यम बनी है. इसके अतिरिक्त एफएसएसएआई के सहयोग से खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता संबंधी प्रशिक्षण भी प्रदान किए गए हैं, जिससे विशेष रूप से स्ट्रीट फूड विक्रेताओं की गुणवत्ता, स्वच्छता और ग्राहक विश्वास में वृद्धि हुई है. महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी योजना का योगदान उल्लेखनीय रहा है. कुल लाभार्थियों में लगभग 46 प्रतिशत महिलाएँ हैं. इससे उनकी आय, सामाजिक प्रतिष्ठा और पारिवारिक निर्णयों में भागीदारी बढ़ी है. वर्ष 2023 और 2025 में की गयी इंडिपेंडेंट इम्पैक्ट असेस्मेंट्स ने भी योजना के दूरगामी प्रभावों की पुष्टि की है.

लगभग 95 प्रतिशत लाभार्थियों ने अपने जीवन में पहली बार औपचारिक वित्तीय प्रणाली से ऋण प्राप्त किया, जो वित्तीय समावेशन की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है. इतना ही नहीं, बल्कि लगभग 30त्न लाभार्थी पीएम स्वनिधि से आगे बढ़कर अन्य औपचारिक वित्तीय संस्थानों से भी ऋण प्राप्त करने में सफल हुए, जो उनके बढ़ते वित्तीय विश्वास और सुदृढ़ क्रेडिट प्रोफाइल का प्रमाण है.

योजना के लाभार्थियों की आय में औसतन लगभग 20त्न वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है. इसके साथ ही आवास, पोषण, स्वास्थ्य सेवाओं और बच्चों की शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भी सुधार देखा गया है. वर्ष 2023 से 2025 के बीच यूपीआई आधारित लेन-देन का उपयोग लगभग 45 प्रतिशत से बढ़कर 83त्न तक पहुँच गया है. योजना के व्यापक और सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए अगस्त 2025 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इसके पुनर्गठित स्वरूप को मार्च 2030 तक विस्तारित करने की स्वीकृति प्रदान की.

(लेखक केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री हैं.)

एकजुटता की तलाश में इंडिया गठबंधन

विपक्षी पार्टियों का बिखराव बीजेपी नेतृत्व के एनडीए की ताकत बन गया है. विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की सबसे बड़ी कमी राष्ट्रीय स्तर पर विश्वसनीयता व समन्वय का अभाव है. इसके नेताओं का अहं उनकी एकजुटता में बाधक है. बंगाल में ममता बनर्जी और तमिलनाडु में एमके स्टालिन की पार्टियों की विधानसभा चुनाव में पराजय से ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई कि 6 जून को इंडिया गठबंधन की बैठक लेना अपरिहार्य हो गया. इस बैठक में नए राजनीतिक समीकरणों की संभावना तलाशी जाएगी. आपसी मतभेदों को मिटाने या कम करने पर विचार होगा. नियमित समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया जाएगा. सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्षेत्रीय पार्टियों के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा हो गया है. या तो यह पार्टियां चुनाव हार रही हैं या इन्हें तोड़ा जा रहा है. अभी इंडिया गठबंधन के 232 लोकसभा सदस्य व 65 से 70 राज्यसभा सदस्य हैं. राज्य विधानसभाओं में उसके 1192 तथा विधानपरिषदों में 98 सदस्य हैं. इंडिया गठबंधन में कांग्रेस, सपा, टीएमसी, डीएमके, एमडीएमके, झारखंड मुक्ति मोर्चा, नेशनल कांफ्रेंस, शिवसेना (उद्धव), एनसीपी (शरद पवार), राजद, कम्युनिस्ट पार्टियां तथा अनेक क्षेत्रीय दलों का समावेश है. विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को असम में इस बार और करारा झटका लगा. केरल में एलडीएफ की पराजय हुई. केजरीवाल का प्रभाव कमजोर हो गया. उनकी पार्टी 'आप' की सिर्फ पंजाब में सरकार रह गई है. कांग्रेस की तेलंगाना, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश में सरकार है. केरल में भी उसका मोर्चा सत्ता में आ गया, लेकिन ममता और केजरीवाल ने कभी भी राहुल को अपना नेता नहीं माना. इसलिए इंडिया गठबंधन में नेतृत्व का प्रश्न जटिल है. कम से कम किसी समन्वयक या संयोजक की नियुक्ति की जा सकती है. आपसी मतभेदों को मिटाकर बीजेपी से मुकाबले की दिशा में रणनीति बनानी होगी. देखना होगा कि 6 जून की बैठक कौन-सा गुल खिलाती है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

ग्वालियर चंबल डायरी

नरोत्तम चुनावी मोड में, राज्यसभा उम्मीदवारी का विकल्प भी खुला

हरीश दुबे

दतिया में नरोत्तम मिश्रा अब पूरी तरह चुनावी मोड में हैं. पिछले हफ्ते भर में वे दर्जन भर से ज्यादा सभाएं, सम्मेलन और रणनीतिक बैठकें कर चुके हैं. कांग्रेस के पुराने कार्यकर्ताओं को तोड़कर भाजपा में लाने का सिलसिला जारी है. स्थानीय स्तर पर पार्टी उन्हें प्रत्याशी मानकर चल रही है. हालांकि 23 की हार के बाद से ही अपने राजनीतिक पुनर्वास का इंतजार कर रहे नरोत्तम के समक्ष 18 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए दावेदारी जताने का विकल्प खुला हुआ है. नरोत्तम राज्यसभा के बजाए विधानसभा वापसी में ज्यादा रुचि दिखा रहे हैं. वे अच्छी तरह जानते हैं कि विधानसभा उपचुनाव में सफलता मिली तो मंत्री बनने का रास्ता खुला हुआ है. उधर कांग्रेस अभी तक उभर कर आई अवधेश नायक, घनश्याम सिंह और राजेन्द्र भारती के बेटे की दावेदारियों में से अपने लिए मुफीद चेहरे का चयन नहीं कर पा रही है, हालांकि दतिया और सेवढा, दोनों सीटों से विधायक रह चुके दतिया राजपरिवार के घनश्याम सिंह ने खुद को टिकट की स्पर्धा से अब अलग कर लिया है.

बौद्ध सम्मेलन को लेकर प्रशासन अलर्ट, अम्बेडकर के पौत्र आ रहे

हाईकोर्ट परिसर में बाबा अंबेडकर की प्रतिमा लगाए जाने को लेकर दलित और सवर्ण समाज से जुड़े संगठनों के टकराव को जिला प्रशासन के सख्त तेवर किसी तरह थामे हुए हैं लेकिन इस छह जून को शहर में बाबा साहब के पौत्र सहित कई बड़े दलित नेताओं के आगमन और इसी दिन दतिया के बिलहारी ग्राम में बड़े स्तर पर आयोजित हो रहे बौद्ध सम्मेलन को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर है. दरअसल, बाबा साहब ने पांचवे दशक में जिस बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया की स्थापना की थी, उसी का यहां जलसा हो रहा है. हाईकोर्ट में अम्बेडकर प्रतिमा लगाने या न लगाने के मुद्दे पर पहले से ही शहर की सामाजिक फ़िज़ाँ में तनाव घुला है, लिहाजा ग्वालियर में बौद्ध समाज के इतने बड़े जलसे को लेकर प्रशासन फूंक फूंक कर कदम रख रहा है. वैसे आयोजकों ने प्रशासन को यह कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण और सामाजिक सद्भाव पर केंद्रित रहने का भरोसा दिया है. ग्वालियर और दतिया, दोनों जिलों का प्रशासन अपने तईं कमर कसकर तैयार है.

शहर के सबसे बड़े मंदिर में अब प्रबंधन के खिलाफ खेमेबंदी

शहर के सबसे प्रतिष्ठित और सर्वाधिक भीड़ भरे मंदिर अचलेश्वर का परिसर न्यास के कुछ सदस्यों की नाराजगी के चलते गर्माया हुआ है. जिला प्रशासन ने मंदिर की व्यवस्थाओं को मैनेज करने के लिए रिसीवर के साथ ही सात सदस्यीय कमेटी मुकर्रर कर रखी है. इसी के कामकाज पर सवाल उठ रहे हैं. मंदिर में पुरानी जीर्ण शीर्ण प्याऊ की जगह अत्याधुनिक हाईटेक प्याऊ के निर्माण के साथ ही वाटर हार्वेस्टिंग, दीपदान, पादुका स्थली एवं पार्किंग जैसे विभिन्न मुद्दों पर न्यास सदस्यों और श्रद्धालुओं का गुस्सा भड़क उठा. हंगामा इस हद तक बढ़ा कि विधायक सतीश सिकरवार के दखल के बाद ही मामला शांत हुआ. श्रद्धालुओं को सभी मांगें माने जाने का भरोसा मिला है. लेकिन अब फिर से मंदिर परिसर गर्माया हुआ है, वजह यह कि न्यास के आदित्य शर्मा ने सीधे कलेक्ट्रेट में लिखित आवेदन देकर न्यास का बायलॉज के निर्माण व साधारण सभा की बैठक बुलाने की मांग कर डाली है.

निर्दलीय लड़ने की स्थिति में प्रवीण के लिए आसान नहीं चुनावी डगर

ग्वालियर चंबल अंचल में व्यापारियों, उद्यमियों के सबसे बड़े संगठन मप्र चैम्बर ऑफ कॉमर्स के चुनाव में व्यापारी वर्ग की निगाहें मौजूदा अध्यक्ष डॉ. प्रवीण अग्रवाल पर टिकी हैं. भले ही व्हाइट हाउस ने उनका टिकट काटकर सराफा कारोबारी पारस जैन को अध्यक्ष पद के लिए मैदान में उतार दिया है लेकिन व्यापारी वर्ग का मानना है कि प्रवीण चुनावी समीकरणों में बड़ा उलटफेर करने की क्षमता रखते हैं. ज्यादा संभावना इसी बात की है कि प्रवीण हाउसों की राजनीति छोड़ निर्दलीय ताल ठोकेंगे. यदि ऐसा हुआ तो व्हाइट हाउस के समक्ष बड़ा संकट खड़ा हो सकता है और व्हाइट के प्रत्याशी पारस के लिए चुनावी वैतरणी पार करना मुश्किल हो जाएगा. लेकिन प्रवीण अग्रवाल भले ही सर्वाधिक पढ़े लिखे व्यापारी प्रतिनिधि होने के साथ ही लोकप्रियता के पैमाने पर व्यापारी तबके में गहरी पैठ रखते हैं लेकिन निर्दलीय लड़ने की स्थिति में उनका मुकाबला व्हाइट और क्रिएटिव, दोनों हाउसों के उम्मीदवारों से होगा, इस लिहाज से प्रवीण अग्रवाल की चुनावी डगर भी उतनी आसान नहीं कही जा सकती. बड़ा उलटफेर यह हुआ है कि अब तक व्हाइट हाउस के संरक्षक की भूमिका निभाने वाले डॉ. वीरेन्द्र गंगवाल ने अपने को हाउसों की हदबंदी से दूर कर लिया है.

निशानेबाज

लापता हुआ करोड़ों का केला पेरिस के संग्रहालय में झमेला

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, फ्रांस के सेंटर पॉम्पीदु-मेट्ज संग्रहालय से 55 करोड़ रुपए का केला गायब हो गया. यह एक मशहूर कलाकृति थी, जिसे इटली के कलाकार मौरिजियो कैटेल ने तैयार किया था. इस आर्टपीस में असली केले को दीवार पर डक्ट डेप से चिपकाकर प्रदर्शित किया गया था.' हमने कहा, 'यह भी एक सनक है. 60 रुपए दर्जन बिकने वाला केला 55 करोड़ का कैसे हो गया?'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, कला के कद्रदान कीमत की परवाह नहीं करते. जस्टिन सन नामक उद्यमी ने 62 लाख डॉलर में यह केले वाली कलाकृति खरीदी और मीडिया के सामने इस केले को खाकर चर्चित हो गया. पिकासो, रैम्ब्रां, वान गॉग की पेंटिंग बेशकीमती मानी जाती हैं. मॉडर्न आर्ट और क्रिएटिविटी को समझने के लिए कला दृष्टि या एस्थेटिक सेन्स होना बहुत जरूरी है, वरना पिकासो की पेंटिंग में पेट में आंख बनी देखकर आपको विचित्र लगेगा. नागपुर में भाऊ समर्थ मॉडर्न आर्ट बनाते थे, जिनकी इस वर्ष जन्मशताब्दी मनाई जा रही है. वह मशहूर चित्रकार रजा के दोस्त थे. रजा फ्रांस जाकर रहने लगे थे. बेयरफूट आर्टिस्ट कहलाने वाले मकबूल फिदा हुसैन की पेंटिंग बहुत ऊंचे दाम पर बिकती थीं. उन्होंने माधुरी दीक्षित को लेकर 'गजगामिनी' नामक फिल्म बनाई थी. मॉडर्न आर्ट या एब्सट्रैक्ट आर्ट को समझना और समझाना आसान नहीं है.'

हमने कहा, 'केले वाला आर्ट पीस कैसे टिक पाएगा? मिट्टी से बनाए गए फल की बात अलग है. असली केला तो 2 दिन में काला पड़कर गल जाता है.' पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, उस कलाकृति का केला हर 3 दिन में बदल दिया जाता है. उसे दीवार में नए टेप से चिपका दिया जाता है. उसका आर्ट वैल्यू वैसा ही बना रहता है और लोग टिकट लेकर उसे देखने आते हैं.'

हमने कहा, 'हमारे देश में भी केले का बहुत महत्व है. सत्यनारायण की पूजा में कदलीफल या केला प्रसाद में अर्पित किया जाता है. केले के तने का मंडप भी बनाते हैं. दक्षिण भारत में केले के पत्ते पर खाना खाया जाता है. केले में भरपूर पोटैशियम मौजूद रहता है. खिलाड़ी तुरंत ऊर्जा पाने के लिए केला खाते हैं. भारत में भुसावल के केले मशहूर हैं तो ब्राजील में फुटबाल का जादूगर पेले !'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12278 - डॉ. सागर खादीवाला

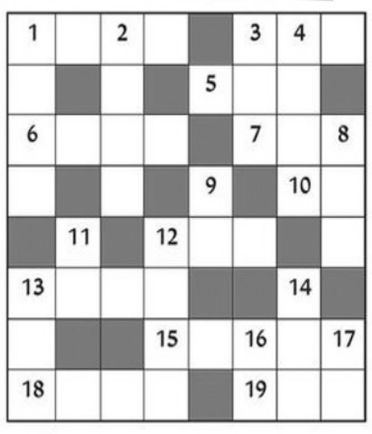

विनम्र, शिष्ट 4. रात के समय महकने वाला एक फूल 8. बचाव की जगह, आश्रय, रक्षा 9. पूंछ 11. अवस्था 12. गवाह 13. नाकामयाब 14. संकोच या शर्म करने वाला 16. हिमालय पर्वत से निकलने वाली एक नदी का नाम 17. छीनने या हरण करने

बाएं से दाएं

1. शाकाहारी, मांसरहित (सं.) 3. उदासीन भाव, वैराग्य (सं.) 5. पवित्र, पाक, शुद्ध (सं.) 6. प्रस्थान 7. काटने या तराशने का ढंग या भाव 10. जल, पानी 12. कुछ कर सकने की शक्ति, योग्यता 13. बड़ी तथा सुंदर आंखों वाली स्त्री 15. बादशाह शाहजहां के एक पुत्र का नाम 18. उच्च स्वर से युद्ध के लिए आव्हान 19. परकोटा, चारों ओर से घेरने वाली, दीवार (सं)

ऊपर से नीचे

1. ठहराना या निश्चित करना (सं) 2. ईसाई धर्मोपदेशक, पादरी (अं.) 3.

Solution 12277

ट	म	ट	म	■	ब	ना	म
पा	■	म	थ	नि	या	■	हा
ल	र	क	ना	■	न	म	न
■	म	ना	■	का	■	हा	ता
वे	णी	■	म	ट	क	ना	■
ध	क	ध	क	ना	■	ट	प
शा	■	म	ड़ा	■	न	क	ल
ला	य	की	■	ब	या	■	ना

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में नवीन कार्यों में रूचि एवं सफलता प्राप्त होगी, व्यापार व्यवसाय में लाभ होगा, वर्ष के मध्य में सत्ता सुख प्राप्त होगा,स्थाई लाभ का योग है, वर्ष के अन्त में माता पिता के कमजोर स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, अत्याधिक परिश्रम के बाद सफलता मिलेगी, अधिकारी वर्ग से मतभेद हो सकता है.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को माता पिता के कमजोर स्वास्थ्य से मन अशांत रहेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को अत्याधिक परिश्रम से सफलता मिलेगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को स्थाई लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को सत्ता पक्ष से सुख मिलेगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को अधिकारों में वृद्धि होगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को मतभेद हो सकता हे, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को परिश्रम अधिक करना होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

3आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील, बड़े नेत्रों वाला शरीर से कोमल एवं मन में भावुक होगा. स्वास्थ्य में कुछ नरम गरम रहेगा, अपनी इच्छानुसार कार्य करेगा, दूसरों को शीघ्र अपनी ओर आकर्षित करेगा. प्रवास का शौकीन होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

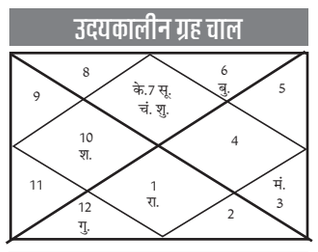

पंचांग

रा.मि. 14 संवत् 2083 अधिक ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्थी गुरूवासरे रात 8/25, उत्तराषाढ नक्षत्रे रात 1/17, शुक्ल योगे दिन 7/37, वव करणे सू.उ. 5/15, सू.अ. 6/45, चन्द्रचार धनु प्रातः 5/43 से मकर, शु.रा. 10, 12, 1, 4, 5, 8 अ.रा. 11, 2, 3, 6, 7, 9 शुभांक- 3, 5, 9.

व्यापार भविष्य

अधिक ज्येष्ठ कृष्ण चतुर्थी को उत्तराषाढ नक्षत्र के प्रभाव से गुड़, खांड, सरसों, अलसी, अरंडी, बिनौला, मूँगफली, घी, तेल, में तेजी का रूख रहेगी. कपास रूई से बनी वस्तुओं में तेजी होगी. भाग्यांक 7579 है.

मेष- अधिकारी आपकी बातों से सहमत होंगे, खानपान पर ध्यान रखें, धार्मिक कार्यों में खर्च होगा, आर्थिक कार्यों में सफलता मिलेगी.

वृषभ- समय पर काम पूरा करने में परेशानी होगी, विरोधी की चालों को समझ नहीं सकेंगे, राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी, मन में संतोष रहेगा.

मिथुन- साझेदारी में किसी बड़ी योजना पर गंभीरता से विचार होगा, अचानक किसी कार्य में व्यस्तता रहेगी, समस्या का सरलता से समाधान होगा.

कर्क- कानूनी मामले में सावधानी से निर्णय करें, खोया आत्म विश्वास फिर जागृत होगा, किसी से विवाद हो सकता है, परिश्रम की अधिकता रहेगी.

सिंह- समय पर वादा पूरा नहीं कर पाने का मलाल रहेगा, आत्म विश्वास से अपनी बात कहें, सफलता मिलेगी, अत्याधिक विश्वास करना हानिप्रद रहेगा,विवाद हो सकता है.

कन्या- बीती बातों को भूलकर आगे काम करें, इससे शांति और सफलता मिलेगी, कौटुम्बिक मामलों में सावधानी रखें, आकस्मिक प्रवास बन सकता है.

तुला- प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी, शादी विवाह की चर्चा में सफलता मिलेगी, अतिथि आगमन होगा, निजी दायित्वों की पूर्ति होगी, प्रतिष्ठा बनी रहेगी.

वृश्चिक- मित्रों की मदद से सारे काम निपटा लेंगे, सूझबूझ से अच्छा आर्थिक लाभ होगा, वाहन आदि के कार्यों में सावधानी रखें, धार्मिक कार्यों में खर्च अधिक होगा.

धनु- नई योजना शुरू करने में अड़चने आयेंगी, घर में उत्साह का माहौल रहेगा, दूसरों के कारण परेशानी होगी, मांगलिक कार्य बनेगा.

मकर- कार्य की गति धीमी रहने से निराशा होगी, समझौता करना लाभकारी रहेगा, शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी, समय के स्वरूप को देखकर कार्य करें.

कुम्भ- जरूरी काम में व्यस्तता रहेगी, मित्रों के व्यवहार से दुख होगा, व्यापार व्यवसाय को बढ़ाने का प्रयास करें, अनावश्यक विवादों को टालें.

मीन- अनहोनी टलने से विशेष खुशी होगी, धर्म कर्म के कार्य में भागीदारी रहेगी, कामकाज में तरक्की होगी, खरीदी बिक्री के कार्यों में सतर्कता रखें.

SUDOKU 7410

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7409

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5